# अंक योजना
## अति गोपनीय
## (केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
## सेकंडरी स्कूल परीक्षा, 2026 2nd बोर्ड परीक्षा
## विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
## पेपर कोड– 32/7/3

| **सामान्य निर्देश**:- | |
|---|---|
| **1.** | आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम प्रदान कर सकती है। जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए। |
| **2.** | **मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।** |
| **3.** | अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, उसका मूल्यांकन यदि वह ठीक है तो उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए। |
| **4.** | अकं – योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए। |
| **5.** | मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो उसे चर्चा एवं संवाद के साथ अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है। |
| **6.** | जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं। |
| **7.** | यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है। |
| **8.** | यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है। |
| **9.** | यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रयास लिखिए। |
| **10.** | एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा। |

| | |
|---|---|
| **11.** | अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है। |
| **12.** | प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है। |
| **13.** | सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँः<br>• उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना।<br>• किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना।<br>• एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग।<br>• उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत मिलान।<br>• शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग।<br>• शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग।<br>• गलत कुल योग।<br>• शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना।<br>• उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण।<br>उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया। |
| **14.** | उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए। |
| **15.** | किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए। |
| **16.** | वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए। |
| **17.** | प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।. |
| **18.** | बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है। |
| **19.** | यदि कोई अभ्यर्थी ऐसे प्रश्न में दोनों विकल्पों/वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर देता हैं। जहाँ केवल एक विकल्प/वैकल्पिक प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक है, तो परीक्षक दोनों विकल्पों के लिए अंक प्रदान करेगा। मूल्यांकन प्रणाली दोनों अंकों में से अधिक अंक को स्वीकार करेगी और दूसरे उत्तर को स्वीकार करेगी। |
| **20.** | दो विकल्पों/वैकल्पिक प्रश्नों वाले प्रश्न में यदि अभ्यर्थी ने केवल एक विकल्प का उत्तर दिया है, तो परीक्षक उस विकल्प के सामने NA (उत्तर नहीं दिया गया) अंकित करेगा। जिसका उत्तर अभ्यर्थी द्वारा नहीं दिया गया। |

# अंक योजना
## सामाजिक विज्ञान (विषय कोड 087)
## पेपर कोड 32/7/3

अधिकतम अंक 80

| प्र.स. | अपेक्षित मूल्य बिंदु | अंक |
|---|---|---|
| | **खण्ड क**<br>**इतिहास** | **20** |
| **1.** | (C) लाहौर अधिवेशन, 1929<br>पृ.सं. 39 | **1** |
| **2.** | (C) II, III ,I,IV<br>पृ.सं.19 | **1** |
| **3.** | (C) बूढ़ी आइर साधू – लक्ष्मीनाथ बेज़बरूवा<br>पृ.सं. 126 | **1** |
| **4.** | (A) मारीआन<br>पृ.सं.23<br>**केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थी के लिए**<br>(B) ज्यूसेपे मेत्सिनी<br>पृ.सं. 12 | **1**<br><br><br><br>**1** |
| **5.** | **18वी शताब्दी के पूर्वार्ध में यूरोप किस प्रकार विश्व व्यापार का केन्द्र बन गया था? स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) 18वीं सदी तक, चीन और भारत दुनिया के सबसे अमीर देशों में से थे।<br>(ii) कहा जाता है कि 15वीं सदी से, चीन ने विदेशों से संपर्क सीमित कर लिए और खुद को दुनिया से अलग–थलग कर लिया।<br>(iii) चीन की भूमिका कम होने और अमेरिका के बढ़ते महत्व के कारण, विश्व व्यापार का केंद्र धीरे–धीरे पश्चिम की ओर खिसक गया। अब यूरोप विश्व व्यापार के केंद्र के रूप में उभर कर सामने आया।<br>(iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 55 | **2x1=2** |
| **6.** | **(क) 19वीं सदी के उत्तरार्ध में पोलिश भाषा क्यों रूसी प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष का प्रतीक बन गई थी? स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) रूसी कब्जे के उपरांत पोलिश भाषा को स्कूलों से बलपूर्वक हटाकर रूसी भाषा को हर जगह जबरन लादा गया। | **3x1=3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (ii) विभिन्न बिशपों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को एक हथियार बनाया।<br>(iii) चर्च के आयोजनों और संपूर्ण धार्मिक शिक्षा में पोलिश भाषा का इस्तेमाल होने लगा।<br>(iv) इसके परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में पादरियों और बिशपों को जेल में डाल दिया गया। रूसी अधिकारियों ने उन्हें सजा देतें हुए साइबेरिया भेज दिया क्योंकि उन्होंने रूसी भाषा का प्रचार करने से इंकार कर दिया था।<br>(v) पोलिश भाषा रूसी भाषा के प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी।<br>(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 15<br>**अथवा**<br>**(ख) यूरोप में राष्ट्र – राज्य के निर्माण का आदर्श मॉडल 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन को क्यों माना जाता था? स्पष्ट कीजिए।** | **3x1=3** |
| | (i) ब्रिटेन में राष्ट्र–राज्य का निर्माण किसी अचानक हुई उथल–पुथल या क्रांतियों का परिणाम नहीं था। यह एक लंबी चलने वाली प्रक्रिया का परिणाम था।<br>(ii) ब्रिटिश द्वीपों में रहने वाले लोगों की मुख्य पहचान जातीय थी। इन सभी जातीय समूहों की अपनी–अपनी संस्कृति थी।<br>(iii) ब्रिटिश संसद, जिसने 1688 में एक लंबे संघर्ष के बाद राजशाही से सत्ता छीन ली थी, वह माध्यम बनी जिसके द्वारा इंग्लैंड को केंद्र में रखकर एक राष्ट्र–राज्य का निर्माण किया गया।<br>(iv) इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच 'एक्ट ऑफ़ यूनियन' (1707) हुआ, जिसके परिणामस्वरूप 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ़ ग्रेट ब्रिटेन' का गठन हुआ।<br>(v) वोल्फ टोन और उनके 'यूनाइटेड आयरिशमेन' (1798) के नेतृत्व में हुए एक असफल विद्रोह के बाद, 1801 में आयरलैंड को ज़बरदस्ती यूनाइटेड किंगडम में शामिल कर लिया गया।<br>(vi) प्रभावी अंग्रेज़ी संस्कृति के प्रचार–प्रसार के माध्यम से एक नए 'ब्रिटिश राष्ट्र' का निर्माण किया गया।<br>(vii) नए ब्रिटेन के प्रतीकों जैसे ब्रिटिश झंडा (यूनियन जैक), राष्ट्रगान ('गॉड सेव आवर नोबल किंग'), और अंग्रेज़ी भाषा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया गया; और इस संघ में पुराने राष्ट्र केवल मातहत सहयोगी के रूप में ही रह पाए। | |

| | | |
|---|---|---|
| | (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 22 | |
| 7. | **(क) सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं के योगदान का विश्लेषण कीजिए।**<br>(i) सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया।<br>(ii) गांधीजी के नमक सत्याग्रह के दौरान हज़ारों महिलाएँ अपने घरों से बाहर निकलीं।<br>(iii) उन्होंने जुलूसों में हिस्सा लिया।<br>(iv) उन्होंने नमक बनाया।<br>(v) उन्होंने विदेशी कपड़ों की दुकानों के सामने धरना दिया।<br>(vi) उन्होंने शराब की दुकानों के सामने धरना दिया।<br>(vii) कई महिलाएँ जेल भी गईं।<br>(viii) ग्रामीण इलाकों में वे अधिकांशतः संपन्न किसान परिवारों से थीं।<br>(ix) गांधीजी के आह्वान से प्रेरित होकर, उन्होंने देश की सेवा को महिलाओं का पवित्र कर्तव्य मानना शुरू कर दिया।<br>(x) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 42<br><br>**अथवा**<br>**(ख) सविनय अवज्ञा आंदोलन में 'भारतीय व्यवसायी वर्गों' के योगदान का विश्लेषण कीजिए।**<br>(i) पहले विश्व युद्ध के दौरान भारतीय व्यापारियों और उद्योगपतियों ने भारी मुनाफ़ा कमाया और वे शक्तिशाली बन गए; उन्होंने उन औपनिवेशिक नीतियों का विरोध किया, जो व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाती थीं।<br>(ii) वे विदेशी सामानों के आयात से सुरक्षा और एक निश्चित रुपया–स्टर्लिंग विनिमय दर चाहते थे।<br>(iii) उन्होंने 1920 में 'इंडियन इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल कांग्रेस' और 1927 में 'फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज– (फिक्की)' का गठन किया।<br>(iv) उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन को आर्थिक सहायता दी और विदेशी सामानों को खरीदने–बेचने से इनकार कर दिया। | **5x1=5**<br><br><br>

(v) अधिकांश व्यवसायी स्वराज को एक ऐसे समय के रूप में देखते थे, जब व्यापार पर लगी औपनिवेशिक पाबंदियाँ खत्म हो जाएँगी और व्यापार तथा उद्योग बिना किसी रुकावट के खूब फले–फूलेगा।

(vi) गोलमेज सम्मेलन की विफलता के बाद व्यावसायिक संगठनों का उत्साह भी मंद पड़ गया था।

(vii) उन्हें उग्र गतिविधियों का भय था। वे लंबी अशांति की आंशका और कांग्रेस के युवा सदस्यों में समाजवाद के बढ़ते प्रभाव से डरे हुए थे।

(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

**किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**

पृ.सं. 42

**8.** **दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** **1+1+2=4**

**प्रिंट और प्रतिबंध**

ईस्ट इंडिया कंपनी के तहत 1798 से पहले का औपनिवेशिक शासन सेंसरशिप या पाबंदी लगाने के बारे में ज़्यादा परेशान नहीं था। मज़ेदार बात तो यह है कि मुद्रित सामग्री को नियंत्रित करने के इसके शुरुआती क़दम कंपनी के कुप्रशासन की आलोचना करने वाले और कंपनी के हुक्मरानों के काम को कोसने वाले अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ उठे। कंपनी को इस बात की चिंता थी कि इन आलोचनाओं का लाभ उठाकर इंग्लैंड में बैठे इनके निंदक कहीं भारत पर इनके व्यापारिक एकाधिकार पर हमला न बोल दें।

कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय ने 1820 के दशक तक प्रेस की आज़ादी को नियंत्रित करने वाले कुछ क़ानून पास किए और कंपनी ने ब्रितानी शासन का उत्सव मनाने वाले अख़बारों के प्रकाशन को प्रोत्साहन देना चालू कर दिया। अंग्रेज़ी और देसी भाषाओं के अख़बार-संपादकों द्वारा गुहार और अर्ज़ी लगाने के बाद 1835 में गवर्नर जनरल बेंटिंक प्रेस क़ानून की पुनर्समीक्षा करने के लिए राज़ी हो गया। फिर उदारवादी औपनिवेशिक अफ़सर टॉमस मेकॉले ने पहले की आज़ादियों को बहाल करते हुए नए क़ानून बनाए।

**8.1 कंपनी के हुक्मरान मुद्रित सामग्री से क्यों चिंतित हुए?** **1**

(i) उन्हें भय थ कि इंग्लैंड में उनके आलोचक, भारत में उनके व्यापारिक एकाधिकार पर हमला करने के लिए इस आलोचना का इस्तेमाल कर सकते हैं।

(ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

**किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।**

**8.2 प्रेस की आज़ादी को नियंत्रित करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम को स्पष्ट कीजिए।** **1**

(i) वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट पारित किया गया।

(ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु

**किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।**

| | | |
|---|---|---|
| | **8.3 भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रवाद के विस्तार में मुद्रण में भूमिका को स्पष्ट कीजिए।** **2x1=2**<br><br>(i) उस समय कंपनी के कुशासन की आलोचना करते हुए कई अखबार, पत्रिकाएँ और किताबें लिखी गईं।<br>(ii) लोगों को कंपनी के शासन के विरुद्ध जागरूक किया गया।<br>(iii) चित्रों, गीतों, अखबारों, लेखों, पर्चों आदि के माध्यम से राष्ट्रवादी भावना को बढ़ावा दिया गया।<br>(iv) कोई प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** | |
| **9.** | **कृपया संलग्न मानचित्र को देखिए।**<br><br>**केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए**<br>**9.1 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ 1927 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन हुआ था।**<br>मद्रास / चेन्नई<br>**9.2 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गाँधीजी ने नमक कानून तोड़ा था।**<br>दांडी | **2x1=2** |
| | **खण्ड ख**<br>**भूगोल** | **20** |
| **10.** | (B) a – ii, b – iv, c – i, d – iii<br>पृ.सं. 30 | **1** |
| **11.** | (C) अभिकथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।<br>पृ.सं. 13 | **1** |
| **12.** | (C) III, II, I और IV<br>पृ.सं. 30 | **1** |
| **13.** | (A) रबड़<br>पृ.सं. 38 | **1** |
| **14.** | (D) केवल I और III सही हैं।<br>पृ.सं. 44 | **1** |
| **15.** | **मृदा अपरदन के नियंत्रण के लिए कोई तीन उपाय सुझाइए।**<br>(i) समोच्च रेखाओं के समानांतर जुताई करने से ढलानों पर पानी के बहाव की गति धीमी हो जाती है।<br>(ii) सीढ़ीदार कृषि कटाव को रोकती है।<br>(iii) सोपान कृषि कटाव को कम करती है। | **3x1=3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (iv) रक्षक मेखलाओं ने रेत के टीलों को स्थिर करने और पश्चिमी भारत में मरुस्थल को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया ळें<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 10 | |
| **16.** | **(क) पर्यावरण संरक्षण के लिए 'राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम' द्वारा किए गए उपायों की व्याख्या कीजिए।**<br>(i) नवीनतम तकनीकों को अपनाकर उपकरणों का इष्टतम उपयोग करना और मौजूदा उपकरणों को अपग्रेड करना।<br>(ii) राख के उपयोग को अधिकतम करके कचरे के उत्पादन को कम करना।<br>(iii) पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए ग्रीन बेल्ट बनाना और वनीकरण के लिए विशेष उद्देश्य वाले वाहनों के मुद्दे को हल करना।<br>(iv) राख तालाब प्रबंधन, राख–पानी रीसाइक्लिंग प्रणाली और तरल कचरा प्रबंधन के माध्यम से पर्यावरण प्रदूषण को कम करना।<br>(v) अपने सभी पावर स्टेशनों के लिए पारिस्थितिक निगरानी, समीक्षाएं और ऑनलाइन डेटाबेस प्रबंधन करना।<br>(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 68<br>**अथवा**<br>**(ख) तापीय प्रदूषण को परिभाषित कीजिए तथा इसके प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) जल का तापीय प्रदूषण तब होता है, जब कारखानों और तापीय संयंत्रों से निकलने वाले गर्म पानी को ठंडा किए बिना ही नदियों और तालाबों में बहा दिया जाता है। **1x1=1**<br>**प्रभावः**<br>(i) परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, परमाणु और हथियार उत्पादन सुविधाओं से निकलने वाला कचरा कैंसर का कारण बनता है।<br>(ii) जन्मजात दोष और गर्भपात तापीय प्रदूषण के प्रभाव हैं।<br>(iii) मृदा और जल प्रदूषण, तापीय प्रदूषण से घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं।<br>(iv) कचरे विशेष रूप से काँच, हानिकारक रसायनों, औद्योगिक अपशिष्टों, पैकेजिंग सामग्री, लवणों और कूड़े–करकट को फेंकने से मिट्टी अनुपयोगी हो जाती है। | **5x1=5**<br><br><br>

(v) वर्षा का जल प्रदूषकों को अपने साथ बहाकर मिट्टी में रिस जाता है, जिससे भूमिगत जल भी दूषित हो जाता है।

(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**किन्हीं चार बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **4x1=4**

पृ.सं. 68

**17.** **दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **1+1+2=4**

**जल आपूर्ति**

**स्वतंत्रता के बाद भारत में तेजी से औद्योगीकरण और शहरीकरण हुआ और विकास के अवसर प्राप्त हुए। आजकल हर जगह बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (MNCs) बड़े औद्योगिक घरानों के रूप में फैली हुई हैं। उद्योगों की बढ़ती हुई संख्या के कारण अलवणीय जल संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उद्योगों को अत्यधिक जल के अलावा उनको चलाने के लिए ऊर्जा की भी आवश्यकता होती है और इसकी काफी हद तक पूर्ति जल विद्युत से होती है। इसके अलावा शहरों की बढ़ती संख्या और जनसंख्या तथा शहरी जीवन शैली के कारण न केवल जल और ऊर्जा की आवश्यकता में बढ़ोतरी हुई है अपितु इनसे संबंधित समस्याएँ और भी गहरी हुई हैं। यदि आप शहरी आवास समितियों या कालोनियों पर नज़र डालें, तो आप पाएँगे कि उनके अंदर जल पूर्ति के लिए नलकूप स्थापित किए गए हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि शहरों में जल संसाधनों का अति-शोषण हो रहा है और इनकी कमी होती जा रही है।**

**17.1 देश के औद्योगीकरण में जल के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।** **1**

(i) जूट, सूती वस्त्र, पल्प आदि उद्योगों के लिए पानी सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

(ii) उद्योग बिजली का उपयोग करते हैं, जो अधिकतर स्वच्छ ईंधन के रूप में जलविद्युत से प्राप्त होती है।

(iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।**

**17.2 शहरीकरण ने किस प्रकार जल की माँग में वृद्धि की है?** **1**

(i) जैसे–जैसे शहरी क्षेत्रों का विस्तार होता हैं और जनसंख्या बढ़ती है, वैसे–वैसे जल की मांग भी बढ़ जाती है।

(ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।**

**17.3 जल संसाधन को अति – शोषण से बचाने के लिए कोई दो उपाए सुझाइए।** **2x1=2**

(i) जल का उपयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए।

(ii) जल का पुनर्चक्रण

(iii) जल का पुनःउपयोग

| | | |
|---|---|---|
| | (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** | |
| **18.** | **कृपया संलग्न मानचित्र को देखिए।**<br><br>**केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए**<br>**18.1 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ तमिलनाडु में एक प्रमुख लौह–इस्पात संयंत्र स्थित है।**<br>सलेम<br>**18.2 उस राज्य का नाम लिखिए जो चाय उत्पाद में अग्रणी है।**<br>असम<br>**18.3 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ गुजरात में प्रमुख समुद्री पत्तन स्थित है।**<br>कांडला<br>**18.4 उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ पंजाब में एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन स्थित है।**<br>अमृतसर/श्री गुरू रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन | **3x1=3** |
| | **खण्ड ग**<br>**राजनीति विज्ञान** | **20** |
| **19.** | (B) केवल I, II और IV सही है।<br>पृ.सं. 3 | **1** |
| **20.** | (B) केन्द्र एवं राज्य सरकारों के बीच सत्ता का बँटवारा<br>पृ.सं. 8 | **1** |
| **21.** | (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।<br>पृ.सं. 65 | **1** |
| **22.** | (A) भारत का उच्चतम न्यायालय<br>पृ.सं. 60 | **1** |
| **23.** | (D) डच<br>पृ.सं. 2 | **1** |
| **24.** | **भारत में धार्मिक समानता को स्थापित करने के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।**<br>(i) धार्मिक समानता से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का सम्मान किया जाना चाहिए।<br>(ii) सभी धर्मों का सम्मान किया जाना चाहिए।<br>(iii) मानवता का सम्मान किया जाना चाहिए। | **2x1=2** |

| | | |
|---|---|---|
| | (iv) जिन लोगों के पास राजनीतिक सत्ता है, उन्हें सभी धर्म के पालन को विनियमित करने में सक्षम होना चाहिए। ताकि भेदभाव और उत्पीड़न को रोका जा सके।<br>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** | |
| **25.** | **(क) सत्ता की भागीदारी क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) सत्ता की भागीदारी विभिन्न सामाजिक समूहों के मध्य टकराव के अंदेशों को कम करती है।<br>(ii) यह राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा देती है।<br>(iii) यह लोकतंत्र की आत्मा है।<br>(iv) यह बेहतर परिणामों को प्रदान करती है।<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 6<br>**अथवा**<br>**(ख) शासन के विभिन्न अंगों में नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) शासन के विभिन्न अंगों, जैसे कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा किया जाता है।<br>(ii) ये अंग एक ही स्तर पर होते हैं, लेकिन अलग–अलग शक्तियों का प्रयोग करते हैं।<br>(iii) इस तरह का बँटवारा यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी अंग असीमित शक्ति का प्रयोग न कर सके। हर अंग दूसरे अंग पर नियंत्रण रखता है।<br>(iv) मंत्री और सरकारी अधिकारी शक्तियों का प्रयोग करते हैं, लेकिन वे संसद या राज्य विधानसभाओं के प्रति जवाबदेह होते हैं।<br>(v) न्यायाधीशों की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा की जाती है, लेकिन वे कार्यपालिका के कामकाज या विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों पर अंकुश रखती है।<br>(vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 8 | **2x1=2**<br><br>**2x1=2** |

| | | |
|---|---|---|
| **26.** | **भारत में राजनीतिक दलों के तीन प्रमुख कार्यों की व्याख्या कीजिए।**<br>(i) राजनीतिक दल चुनाव लड़ते हैं।<br>(ii) देश के लिए कानून बनाने में राजनीतिक दल निर्णायक भूमिका निभाते हैं।<br>(iii) राजनीतिक दल अलग–अलग नीतियाँ और कार्यक्रम सामने रखते हैं और मतदाता उनमें से चुनते हैं।<br>(iv) राजनीतिक दल सरकार बनाते हैं और सरकार चलाते हैं।<br>(v) जो राजनीतिक दल चुनाव हार जाते हैं, वे विपक्ष की भूमिका निभाते हैं।<br>(vi) राजनीतिक दल जनमत को आकार देते हैं।<br>(vii) राजनीतिक दल लोगों को सरकारी मशीनरी और सरकारों द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं।<br>(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 49 | **3x1=3** |
| **27.** | **पारदर्शिता, लोकतंत्र का महत्वपूर्ण परिणाम है।'' उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की परख कीजिए।**<br>(i) पारदर्शिता लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण परिणाम है क्योंकि लोकतांत्रिक सरकारें लोगों के प्रति जवाबदेह होती हैं।<br>(ii) नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि सरकार कैसे काम करती है और सार्वजनिक धन का उपयोग कैसे किया जाता है।<br>(iii) नागरिकों के पास निर्णय लेने की प्रक्रिया की जाँच करने का अधिकार और साधन होते हैं।<br>(iv) यह सरकार को लोगों के प्रति जिम्मेदार, खुली और जवाबदेह बनाती है।<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 70 | **3x1=3** |
| **28.** | **(क) 1992 में संवैधानिक संशोधनों द्वारा शासन व्यवस्था के तीसरे स्तर की व्यवस्था को अधिक शक्तिशाली एव प्रभावी बनाया गया ।'' उपयुक्त उदारहणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।**<br>(i) 1992 में विकेंद्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया। लोकतंत्र के तीसरे स्तर को अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बनाने के लिए संविधान में संशोधन किया गया।<br>(ii) स्थानीय सरकारी निकायों के लिए नियमित चुनाव कराना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है। | **5x1=5** |

(iii) इन संस्थाओं के निर्वाचित निकायों और कार्यकारी प्रमुखों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए सीटें आरक्षित हैं।

(iv) सभी पदों में से कम से कम एक–तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

(v) पंचायत और नगरपालिका चुनाव कराने के लिए प्रत्येक राज्य में 'राज्य चुनाव आयोग' नामक एक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।

(vi) राज्य सरकारों के लिए यह अनिवार्य है कि वे स्थानीय सरकारी निकायों के साथ कुछ शक्तियाँ और राजस्व साझा करें। साझा करने का स्वरूप हर राज्य में अलग–अलग होता है।

(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**किन्हीं पाँच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**

पृ.सं. 24

**अथवा**

**(ख) ''भारत में स्थानीय सरकारों की नई व्यवस्था विश्व में लोकतंत्र का अब तक का सबसे बड़ा प्रयोग है।'' उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** **5x1=5**

(i) पूरे देश में स्थानीय निकायों में लगभग 36 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।

(ii) यह संख्या दुनिया के कई देशों की जनसंख्या से भी अधिक है।

(iii) स्थानीय सरकार को संवैधानिक दर्जा मिलने से हमारे देश में लोकतंत्र को गहरा करने में मदद मिली है।

(iv) इससे हमारे लोकतंत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व और उनकी आवाज़ भी बढ़ी है।

(v) स्थानीय निकायों के चुनाव नियमित रूप से होते हैं।

(vi) स्थानीय सरकारें स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों का प्रबंधन करती हैं।

(vii) यह आधारभूत स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करता है और पूरे देश में लोकतांत्रिक शासन को मज़बूत बनाता है।

(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

**किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**

पृ.सं. 26

| | | |
|---|---|---|
| | **खण्ड घ**<br>**अर्थशास्त्र** | **20** |
| **29.** | (B) असमान विकास<br>पृ.सं. 7<br>**केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए**<br>(A) रोजगार के अवसर की उपलब्धता<br>पृ.सं. 4 | **1**<br><br><br><br>**1** |
| **30.** | (C) व्यापार अवरोधकों और प्रतिबंधों को हटाना<br>पृ.सं. 64 | **1** |
| **31.** | (D) नहर का निर्माण<br>पृ.सं. 4 | **1** |
| **32.** | (B) भार किलोग्राम में ÷ ऊँचाई का वर्ग मीटर में<br>पृ.सं. 13 | **1** |
| **33.** | **नोटः जिन विद्यार्थियों ने इस प्रश्न को हल किया है, उन्हें एक अंक अवश्य दिया जाना चाहिए।** | **1** |
| **34.** | (D) भारत सरकार द्वारा इसे प्राधिकृत किया जाता है।<br>पृ.सं. 40 | **1** |
| **35.** | **प्रति व्यक्ति आय के आधार पर विकास का मापन क्यों पर्याप्त नहीं है? स्पष्ट कीजिए।**<br>(i) प्रति व्यक्ति आय के आधार पर विकास को मापना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अलग–अलग देशों की जनसंख्या अलग–अलग होती है।<br>(ii) कुल आय की तुलना करने से यह पता नहीं चलता कि एक औसत व्यक्ति कितना कमाता होगा।<br>(iii) प्रति व्यक्ति आय केवल किसी देश की औसत आय बताती है। यह यह नहीं दर्शाती कि आय लोगों के बीच समान रूप से वितरित है या नहीं।<br>(iv) यह सार्वजनिक सुविधाओं को नहीं मापती है।<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>**किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** | **2x1=2** |
| **36.** | **''भारत की केन्द्र एवं राज्य सरकारें विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष कदम उठा रही हैं।'' इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।**<br>(i) व्यापार अवरोधों को हटाना।<br>(ii) आयात शुल्क में कमी। | **3x1=3** |

| | | |
|---|---|---|
| | (iii) विदेशी निवेशकों के लिए कर में प्रोत्साहन।<br>(iv) विदेशी निवेशकों के लिए प्रोत्साहन के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना।<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 64 | |
| 37. | **(क) ''भारतीय अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्रक का योगदान निरंतर बढ़ रहा है।'' उपयुक्त उदाहरण देते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए।**<br>(i) पिछले चालीस वर्षों में, सभी क्षेत्रकों में उत्पादन बढ़ा है, परंतु सबसे अधिक वृद्धि तृतीयक क्षेत्रकों में हुई है।<br>(ii) सकल घरेलू उत्पाद में तृतीयक क्षेत्रक का योगदान कई गुना बढ़ गया है।<br>(iii) शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, डाकघर आदि जैसी सेवाएँ स्थापित की गई हैं, जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देती हैं।<br>(iv) सड़क और रेल मार्गों का विस्तार, कोल्ड स्टोरेज की स्थापना और बैंकिंग सुविधाओं ने भी प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक की गतिविधियों के विस्तार में योगदान दिया है।<br>(v) यह बड़ी संख्या में जनसंख्या को रोज़गार भी प्रदान करता है।<br>(vi) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने रोज़गार और उत्पादन के दायरे का विस्तार किया है।<br>(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 24<br>**अथवा**<br>**(ख) ''भारत में अर्थव्यवस्था के असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों को संरक्षण एवं सहायता देने की आवश्यकता है।'' उपयुक्त उदाहरण देते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए।**<br>(i) कम वेतन<br>(ii) अनियमित आय<br>(iii) रोजगार की सुरक्षा का अभाव<br>(iv) निम्न कार्य परिस्थितियों<br>(v) सामाजिक सुरक्षा का अभाव<br>(vi) कर्मचारियों का शोषण<br>(vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>**किन्हीं पांच बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**<br>पृ.सं. 32 | **5x1=5**<br><br><br>

| | | |
|---|---|---|
| 38. | दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।<br><br>**माँग जमा**<br><br>माँग जमा एक अन्य दिलचस्प सुविधा देता है। यह सुविधा इसे मुद्रा का (विनिमय का माध्यम) महत्त्वपूर्ण लक्षण प्रदान करती है। आपने नकद की बजाय चैक से भुगतान के बारे में सुना होगा। चैक से भुगतान के लिए भुगतानकर्ता, जिसका किसी बैंक में खाता है, एक निश्चित रकम के लिए चैक काटता है। चैक एक ऐसा कागज़ है, जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चैक पर लिखे नाम के किसी दूसरे व्यक्ति को एक ख़ास रकम का भुगतान करने का आदेश देता है।<br><br>38.1 'माँग जमा' को परिभाषित कीजिए। 1<br>(i) बैंकों में पैसा जमा करना और माँग किए जाने पर उसका भुगतान करना 'माँग जमा' कहलाता है।<br>38.2 'माँग जमा' से बैंक को होने वाले लाभ को स्पष्ट कीजिए। 1<br>(i) मांग जमा बैंक की आय का प्रमुख साधन है व बैंक ऋण देते हैं और ब्याज स्वीकार करतें हैं।<br>(ii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।<br>38.3 चैक द्वारा भुगतान के किन्हीं दो लाभों को स्पष्ट कीजिए। 2x1=2<br>(i) कम जोखिम<br>(ii) सरल भुगतान<br>(iii) धोखाधड़ी की कम संभावना<br>(iv) चोरी की कम संभावना<br>(v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु<br>किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है। | 1+1+2=4 |

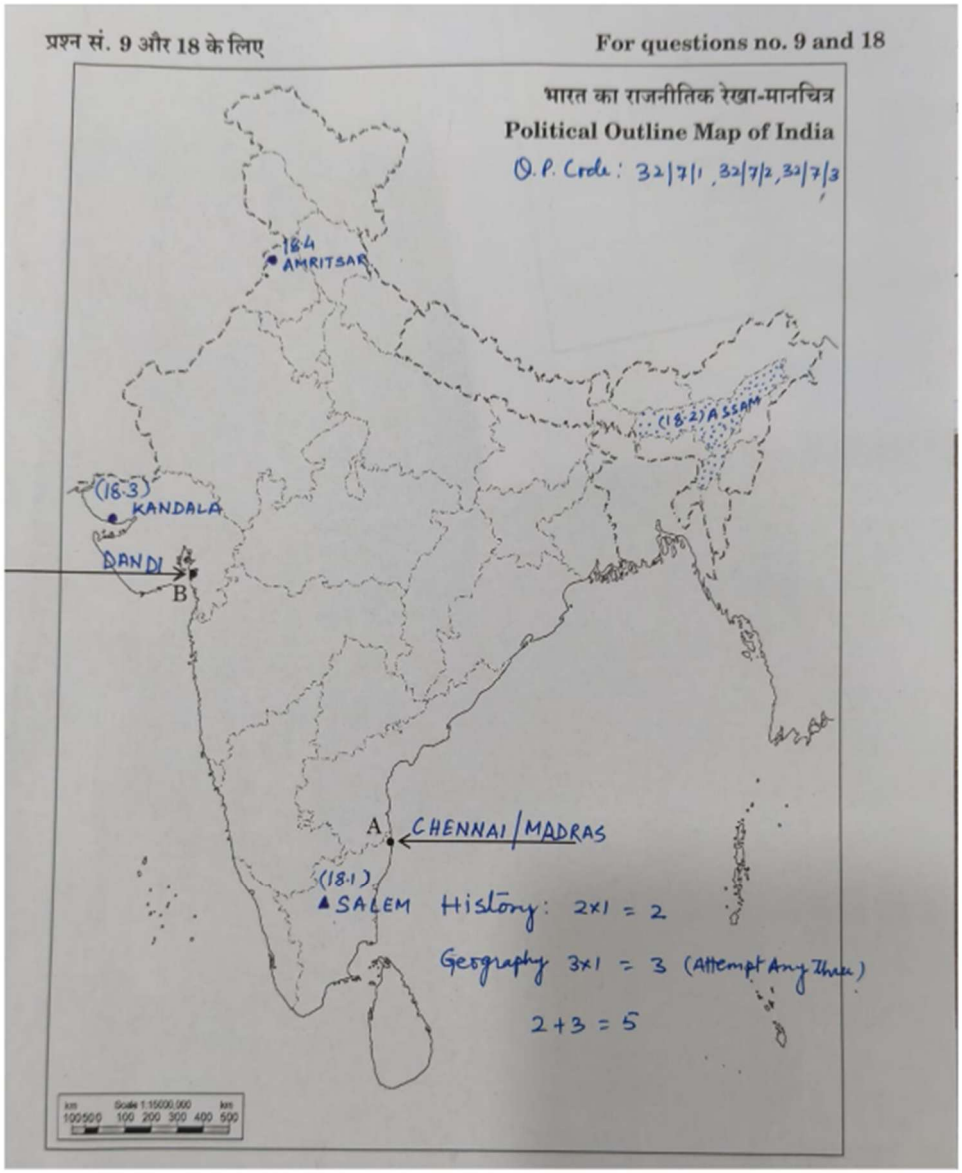
प्रश्न सं. 9 और 18 के लिए
For questions no. 9 and 18
भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र
Political Outline Map of India
Q.P. Code: 32/7/1, 32/7/2, 32/7/3
18.4
AMRITSAR
(18.2) ASSAM
(18.3)
KANDALA
DANDI
B
A
CHENNAI/MADRAS
(18.1)
SALEM
History: 2×1 = 2
Geography 3×1 = 3 (Attempt Any Three)
2+3 = 5